



कदन्न अनुभव केंद्र

भारत सरकार ने [नेशनल एग्रीकलचरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया \(NAFED\)](#) के सहयोग से अपनी तरह का पहला कदन्न अनुभव केंद्र (MEC) लॉन्च किया है।

- यह पहल [UNGA](#) द्वारा वर्ष 2023 को [अंतरराष्ट्रीय कदन्न वर्ष \(IYM 2023\)](#) के रूप में घोषित किये जाने से प्रकाश में आई है।
- मोटे अनाज (मलिट) को केंद्रीय [बजट 2023-24](#) में 'श्री अन्न' कहा गया है।

मलिट्स एक्सपीरियंस सेंटर (MEC)/कदन्न अनुभव केंद्र (MEC):

परचिय:

- MEC एक अनूठी अवधारणा है जो बाज़रे को एक बहुमुखी, स्वस्थ अनाज के रूप में बढ़ावा देगी और इसके आहार लाभों को प्रदर्शित करेगी तथा ग्राहकों को एक अनूठा भोजन अनुभव प्रदान करेगी।
- ग्राहक स्थानीय कदन्न स्टार्ट-अप केंद्र से विभिन्न प्रकार के रेडी-टू-ईट और रेडी-टू-कुक उत्पाद खरीद सकते हैं।
- MEC उन उपभोक्ताओं के लिये योजना को व्यापक करने में मदद करेगा जो सक्रिय रूप से स्वस्थ विकल्पों की तलाश कर रहे हैं।

महत्त्व:

- MEC की स्थापना कदन्न के लिये "ग्लोबल हब" बनने के भारत के लक्ष्य की दशा में एक कदम है।
- MEC न केवल प्राचीन अनाज के आहार संबंधी लाभों को बढ़ावा देगा बल्कि कदन्न को लोकप्रिय बनाने के लिये कदन्न डोसा और कदन्न पास्ता जैसे विभिन्न प्रकार के व्यंजनों को पकाने हेतु एक पोषण शक्ति केंद्र के रूप में भी लोकप्रिय करेगा।
- यह पहल भारत के मजबूत कदन्न-आधारित स्टार्ट-अप समुदाय के लिये नए मार्ग प्रशस्त करेगी और बहुमुखी एवं स्वस्थ अनाज के रूप में कदन्न की अपार क्षमता को पहचानने में मदद करेगी।

कदन्न (MILLETS)



MILLET MAP OF INDIA

कदन्न/ मिलेट्स/ मोटा अनाज:

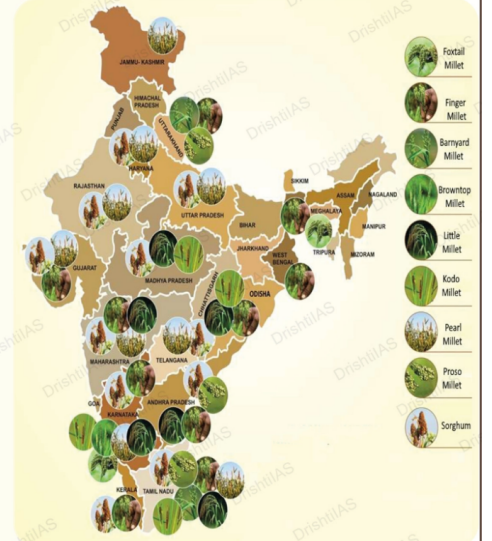
- छोटे-बीज वाली फसलों को मिलेट्स के रूप में जाना जाता है
- अक्सर इन्हें 'सुपरफूड' के रूप में भी जाना जाता है
- इन अनाजों के प्रमाण सबसे पहले सिंधु सभ्यता में पाए गए और ये भोजन के लिये उगाए गए पहले पौधों में से थे।

जलवायु संबंधी स्थिति:

- भारत में मुख्य रूप से खरीफ की फसल
- तापमान: 27°C-32°C
- वर्षा: लगभग 50-100 सेमी
- मिट्टी का प्रकार: अवर जलोढ़ या दोमट मिट्टी

भारत और कदन्न:

- विश्व का सबसे बड़ा कदन्न उत्पादक:
 - वैश्विक उत्पादन का 20%, एशिया के उत्पादन का 80%
- सामान्य कदन्न:
 - रागी (Finger millet), ज्वार (Sorghum), समा (Little millet), बाजरा (Pearl millet), और चेना/पुनर्वा (Proso millet)
 - स्वदेशी किस्में (छोटे बाजरा)-कोदो, कुटकी, चेना और साँवा
- शीर्ष कदन्न उत्पादक राज्य:
 - राजस्थान > कर्नाटक > महाराष्ट्र > मध्य प्रदेश > उत्तर प्रदेश
- सरकार की पहलें:
 - 'गहन कदन्न संवर्द्धन के माध्यम से पोषण सुरक्षा हेतु पहल' (INSIMP)
 - इंडियाज वेल्थ, मिलेट्स फॉर हेल्थ
 - मिलेट्स स्टार्टअप इनोवेशन चैलेंज
 - कदन्न के लिये एमएसपी में वृद्धि
 - कृषि मंत्रालय ने 2018 में कदन्न को "पोषक अनाज" के रूप में घोषित किया



अंतर्राष्ट्रीय कदन्न वर्ष वर्ष 2023

भारत द्वारा प्रस्तावित, UNGA द्वारा घोषित

महत्त्व

- कम महंगा, पोषण की दृष्टि से बेहतर
- उच्च प्रोटीन, फाइबर, खनिज, लोहा, कैल्शियम और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स
- जीवनशैली की समस्याओं और स्वास्थ्य (मोटापा, मधुमेह आदि) से निपटने में मददगार
- फोटो-असंवेदनशील, जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीला, जल गहन

//

अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष (IYM) 2023:

परिचय:

- वर्ष 2023 में अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष मनाने के भारत के प्रस्ताव को वर्ष 2018 में [खाद्य और कृषि संगठन \(FAO\)](#) द्वारा अनुमोदित किया गया था और संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के रूप में घोषित किया है।
- इसे [संयुक्त राष्ट्र के एक प्रस्ताव](#) द्वारा अपनाया गया और इसका नेतृत्व भारत ने किया तथा 70 से अधिक देशों ने इसका समर्थन किया।

उद्देश्य:

- खाद्य सुरक्षा और पोषण में कदन्न के योगदान के बारे में जागरूकता।
- कदन्न के सतत उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार के लिये हतिधारकों को प्रेरित करना।
- अन्य दो उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिये अनुसंधान और विकास तथा वस्तुतः सेवाओं में निवेश बढ़ाने पर ध्यान देना।

कदन्न को मुख्यधारा में लाने के लिये अन्य सरकारी पहल:

- गहन कदन्न संवर्द्धन के माध्यम से पोषण सुरक्षा के लिये पहल (INSIMP)
- राष्ट्रीय कदन्न मशिन (NMM)
- मूल्य समर्थन योजना (PSS)
- PDS में कदन्न को बढ़ावा देना
- कदन्न का MSP बढ़ाया जाना

- कदन्न की जैविक खेती को बढ़ावा देना
- मूल्यवर्द्धति कदन्न आधारित उत्पादों का विकास करना

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न. 'गहन कदन्न संवर्द्धन के माध्यम से पोषण सुरक्षा हेतु पहल (Initiative for Nutritional Security through Intensive Millets Promotion)' के संदर्भ में नमिनलखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2016)

1. इस पहल का उद्देश्य उन्नत उत्पादन और कटाई उपरांत प्रौद्योगिकियों को नरिदरशति करना है एवं समूह उपागम दृष्टिकोण के साथ एकीकृत रीति से मूल्यवर्द्धन तकनीकों को नरिदरशति करना है ।
2. इस योजना में नरिधन, लघु, सीमांत और जनजातीय कसिनों की बड़ी हतिधारति है ।
3. इस योजना का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य वाणजियिक फसलों के कसिनों को पोषकों के अत्यावश्यक नविशों और लघु सचिाई उपकरणों के नःशुल्क कटि प्रदान कर, कदन्न की खेती को प्रोत्साहति करना है ।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 2
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/millets-experience-centre>

